हल्द्वानी (नैनीताल) एवं देहरादून से एक साथ प्रकाशित

समाचारों को विस्तार से व तत्काल पढ़ने के लिए क्लिक करें
Web:- www.jokhimnews.com
सूचना एवं लोकसम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड में "A" श्रेणी में सूचीबद्ध

जोखिम

भय भूख एवम् भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्षरत् निर्भीक राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

वर्ष : 16 अंक : 101 हल्द्वानी (नैनीताल) शनिवार 21 फरवरी 2026 मूल्य रू 2 पृष्ठ : 8

अवैध पिस्टल, तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद

नैनीताल (संवाददाता)। कालाढूंगी क्षेत्र में 14 फरवरी 2026 की रात हुई झगड़ा और फायरिंग की घटना का पुलिस ने सफल खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों के कब्जे से अवैध पिस्टल, तमंचा और जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं।पुलिस के अनुसार, चौकी बेलपड़ाव को डायल 112 के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई थी कि हल्द्वानी रोड स्थित बैलपोखरा गांव जाने वाले तिराहे के पास कुछ व्यक्तियों के बीच विवाद हुआ है और फायरिंग की गई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची, लेकिन घटनास्थल पर कोई व्यक्ति मौजूद नहीं मिला।पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर वीडियोग्राफी कराई और मौके से 32 बोर के 11 खोखे तथा .22 बोर के 02 खोखे बरामद किए।16 फरवरी 2026 को वादिनी बलजीत कौर, निवासी ग्राम बच्चीनगर, थाना कालाढूंगी ने नामजद आरोपियों के खिलाफ तहरीर दी। इसके आधार पर कोतवाली कालाढूंगी में भारतीय न्याय संहिता (ठछै) की संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर संख्या 17/2026 दर्ज की गई। मामले की विवेचना वरिष्ठ उपनिरीक्षक को सौंपी गई।घटना का संज्ञान लेते हुए डॉ. मंजूनाथ टी. सी., वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल ने नामजद आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के निर्देश दिए।वरिष्ठ अधिकारियों के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक कालाढूंगी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई। टीम ने सुरागरसी और पतारसी के आधार पर 20 फरवरी 2026 को गडप्पू बैरियर के पास से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।गिरफ्तार आरोपी1. गुरप्रीत सिंह उर्फ गोपी (उम्र 33 वर्ष), निवासी शेखपुरा, थाना स्वार, जनपद रामपुर (उ0प्र0)2. रंजीत सिंह (उम्र 31 वर्ष), निवासी बैलपोखरा, कालाढूंगी 3. मनदीप सिंह उर्फ मंगा, निवासी ग्राम उदयपुर (महादेव), बैलपड़ावपुलिस के अनुसार, रंजीत सिंह के विरुद्ध पूर्व में भी आपराधिक मुकदमा दर्ज है।बरामदगी का विवरणगुरप्रीत सिंह से 01 देशी पिस्टल व 02 जिंदा कारतूसरंजीत सिंह से 01 देशी पिस्टल मय 02 जिंदा कारतूसमनदीप सिंह से .22 बोर तमंचा मय 01 जिंदा कारतूसघटनास्थल से 11 अदद 32 बोर खोखे व 02 अदद .22 बोर खोखे आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत भी अलग से मुकदमा (थ्प्त छव. 18/2026) दर्ज किया गया है। साथ ही न्यायालय से गैर-जमानती वारंट जारी किए गए हैं।प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि आपसी पुरानी रंजिश के चलते आरोपियों और वादिनी के पति के परिचित के बीच विवाद था। घटना की रात कथित रूप से आपसी कहासुनी मारपीट में बदल गई, जिसके बाद फायरिंग की गई। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।सफल कार्रवाई और शीघ्र गिरफ्तारी पर एसएसपी नैनीताल द्वारा पुलिस टीम को 1,500 रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया।पुलिस प्रशासन ने आम जनता से अपील की है कि किसी भी प्रकार की आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल डायल 112 पर दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

आरएसएस संचालक डॉ इन्देश के जन्मदिन पर मुस्लिम मंच ने गायो को गुड़ व चारा खिलाया

काशीपुर (संवाददाता)। आरएसएस की शाखा मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के क्षेत्रीय संयोजक डॉ हसन नूरी के नेतृत्व में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ प्रचारक डॉ. इंद्रेश कुमार के जन्मदिवस के अवसर पर द्रोणासागर स्थित गोशाला में गायों को गुड़ व चारा खिलाकर व केक काटकर मनाया गया। घ्इस अवसर पर उत्तराखंड वक्फ बोर्ड के सदस्य एवं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के वरिष्ठ पदाधिकारी डॉ. हसन नूरी ने अपने सम्बोधन में कहा कि घ्डॉ. इंद्रेश कुमार का जीवन राष्ट्र सेवा और सामाजिक समरसता के लिए समर्पित है। हम उनके उत्तम स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना करते हैं। इस अवसर पर उनके साथ भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चे के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष इन्जार हुसैन, इस्लामियां स्कूल प्रबंधन कमेटी के सदर मिर्जा नदीम बेग, सचिव अली अनवर एडवोकेट, शमशेर खान, फारूक खान, शाकिर अंसारी, मो आरिफ, जाकिर हुसैन आदि मौजूद रहे। फोटो-गायो को चारा खिलाते हुये।

पुलिस ने घर से भटकी हुई बच्ची को परिजनों से मिलाया

रामनगर (संवाददाता)। घर से भटकी हुई 3 वर्षीय बच्ची को पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद उसके परिजनों से मिलाये जाने का सराहनीय कार्य किया। शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार रेलवे स्टेशन पर रोटी बिखलती हुई भटकती हुयी एक बच्ची को लेकर कोतवाली पहुंचे व महिला डेक्स में तैनात कांस्टेबल रेशु को सोंप कर चले गये। बच्ची अपना नाम अनबिया, पिता का नाम उस्मान, माता का नाम रेशमा, अपनी टीचर का नाम आरजू बता रही थी मगर घर का पता नही बता या रही थी। कोतवाली के मुंशी शेखर बिष्ट, कांस्टेबल संजय सिंह व महिला कांस्टेबल रेशु के द्वारा परिचितों के जरिये सोशल मीडिया में काफी पोस्ट डलवाई गयी तथा कांस्टेबल सजंय सिंह बच्ची को लेकर उसके द्वारा नामो को खोजते रहे बाद में उनकी मेहनत कामयाब हुई और ग्राम पूँछड़ी में बच्ची के पिता मिल गया। पिता ने बताया कि वह बच्ची को रेलवे स्टेशन स्थित उसकी नानी के घर छोड़कर आया था। फिलहाल बच्ची के परिजन मिलने पर उसके पुलिस ने राहत की सांस ली।

श्यामखेत से कुड मोटर मार्ग मै डामरीकरण के लिए 7 करोड़ 77लाख स्वीकृति-विधायक कैड़ा

भीमताल (संवाददाता)। विधायक राम सिंह कैड़ा ने कहा भीमताल विधानसभा के रामगढ़ ब्लॉक के श्यामखेत से कुड तक मोटर मार्ग का निर्माण पूर्व मै राज्य योजना के अंतर्गत हुआ था डामरीकरण नही होने से ग्रामीणों को काफी परेशानियों का समाना करना पड़ता था! किसानो को बरसात के दिनों अपना उत्पाद हल्द्वानी लाने मै काफी परेशानियो का समाना करना पड़ता था ग्रामीणों ने विधायक कैड़ा से मोटर मार्ग पर सुधारीकरण व डामरीकरण करने मांग करी थी! विधायक कैड़ा ने उक्त मोटर मार्ग पर डामरीकरण व सुधारीकरण करने हेतु चउहेल फेस 4 के अंतर्गत प्रस्ताव भेजा था श्यामखेत से कुड तक मार्ग पर सुधारीकरण डामरीकरण कार्य के लिए 7करोड़ 77लाख स्वीकृति हो गये है जिसकी टैण्डर प्रक्रिया शुरू हो गई है जल्दी ही मोटर मार्ग पर सुधारीकरण,डामरीकरण कार्य किया जायेगा! विधायक कैड़ा ने भीमताल विधानसभा के लोसज्ञानी, भलाड, धारी,कौल मटियाल नथुवाखान,आदि गाँवो का दौरा कर ग्रामीणों की समस्याओं को सुना संबधित विभाग के अधिकारियो को फोन कर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिये!

हिन्दी दैनिक जोखिम

सम्पादकीय

एक सौ करोड़ हिंदुओं का रक्षक डरा हुआ!

कितनी गजब बात है। क्या दुनिया के किसी देश, किसी संसद में ऐसा हुआ जो पहली बात सदन के नेता को स्पीकर बोले कि आपको भाषण नहीं देना है। और प्रधानमंत्री डर कर राष्ट्रपति अभिभाषण का भी धन्यवाद न करे! इससे भी बड़ा वैश्विक रिकॉर्ड तो देश का प्रधानमंत्री चंद महिला सांसदों के शोर, उनके घेरने को अपने जीवन पर खतरा माने? राहुल गांधी से आंखे मिलाकर अपने समय के ही सेनापति की पुस्तक को लेने से घबराए! और इससे भी अधिक शर्मनाक की राज्यसभा में विपक्ष की खाली बेंचों के आगे प्रधानमंत्री दहाड़े। राहुल गांधी के खानदान के कोसे, उन्हें गांधी के नाम का चोर बताए। अपने समर्थकों की गली में दहाड़ना और विपक्ष से भरी गली से दुबकना, भागना तो वैश्विक ताकत याकि चीन के शी जिनपिंग और अमेरिका के ट्रंप के आगे या तो घिग्घी बंधना, जबरदस्ती गले लगना या मौन रहना, अपमान सहना!ओह! हिंदू राष्ट्र। भला क्यों 140 करोड़ लोगों का प्रधानमंत्री और एक सौ करोड़ हिंदुओं का रक्षक इतना डरा हुआ! फिर भी नगाड़ा मैं देश और हिंदुओं का रक्षक। मुझे ही विश्वास नही हुआ कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार फरवरी को लोकसभा में इसलिए भाषण नहीं दिया क्योंकि उनको लग रहा था कि कुछ अप्रत्याशित घटित हो सकता है। और अपने मुंह से सीधा नहीं बोला। स्पीकर ने बोला कि उन्हें जो जानकारी मिली थी उस आधार पर उन्होंने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि वे चार फरवरी को शाम पांच बजे लोकसभा में भाषण देने नहीं आएं। सो, प्रधानमंत्री ने जवाब नहीं दिया और उनके भाषण के बगैर, उनकी गैरहाजिरी में लोकसभा में राष्ट्रपति अभिभाषण का धन्यवाद प्रस्ताव पास हुआ। भारत का नया रिकॉर्ड बना।सवाल है क्या स्पीकर को ऐसी सूचना मिली कि महिला सांसद या विपक्ष के दूसरे सांसद प्रधानमंत्री पर हमला कर सकते हैं? आखिर क्या अप्रत्याशित घट सकता था? इसकी निश्चित रूप से जांच होनी चाहिए। आखिर विपक्ष के चुने गए सांसदों पर बहुत गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। अगर इसमें सचाई है तो जांच करके कार्रवाई करनी चाहिए नहीं तो यह माना जाएगा कि सरकार विपक्ष के सांसदों की साख खराब करने की कोशिश कर रही है।सोचें, अगर प्रधानमंत्री भाषण देने आ जाते और उनको भाषण देने से रोक दिया जाता तो क्या हो जाता? जैसे राहुल गांधी 46 मिनट तक बोलने की कोशिश करते रहे और नहीं बोल पाए वैसे प्रधानमंत्री भी नहीं बोल पाते। लेकिन वे लोकसभा में जाकर सदन का सामना करते तो उनकी 56 इंच की छाती प्रमाणित होती। वे तो इसकी बजाय लोकसभा छोड़ कर राज्यसभा में चले गए। वहां उन्होंने विपक्षी के वाकआउट के बीच डेढ़ घंटे तक भाषण दिया। सोचें, प्रधानमंत्री की सुरक्षा पर देश पांच सौ करोड़ रुपए से ज्यादा हर साल खर्च करता हैं। मतलब हर महीने 40 करोड़ रुपए से ज्यादा। यह स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप यानी एसपीजी का बजट है। पहले एसपीजी पूर्व प्रधानमंत्रियों के परिवार की सुरक्षा भी करती थी। लेकिन अब पूर्व प्रधानमंत्रियों के परिवार की एसपीजी सुरक्षा हटा दी गई है। एसपीजी अब सिर्फ प्रधानमंत्री की सुरक्षा करती है। एक व्यक्ति की सुरक्षा पर इतना रुपया खर्च होता है। फिर भी वह व्यक्ति अपने ही देश में, अपनी ही संसद में असुरक्षित महसूस करता है या खतरे से घबरा कर मैदान छोड़ देता है तो इसे क्या कहा जाएगा? क्या संसद में प्रधानमंत्री को सुरक्षित महसूस कराने के लिए वहां भी एसपीजी की तैनाती कराई जाए? क्या स्पीकर सदन के अंदर एसपीजी तैनात करें, प्रधानमंत्री की कुर्सी के पास बुलेटप्रूफ केबिन बनवाएं या विपक्ष के सांसदों को बाहर निकाल कर हर बार प्रधानमंत्री का भाषण कराया जाए?याद करें कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पांच जनवरी 2022 को पंजाब के दौरे पर थे और फिरोजपुर के कार्यक्रम में शामिल हुए बैगर वे वापिस लौटे थे। प्रधानमंत्री हुसैनीवाला शहीद स्मारक पर जाने के लिए निकले थे। मौसम खराब होने की वजह से वे सड़क के रास्ते जा रहे थे। एक फ्लाईओवर पर लोगों की भीड़ ने जाम लगा रखा था। वहां थोड़ी देर रूकने के बाद प्रधानमंत्री मोदी वापस लौट आए थे और बठिंडा हवाईअड्डे पर उन्होंने पंजाब के अधिकारियों से कहा था, अपने श्सीएम को थैंक्स कहना कि मैं बठिंडा एयरपोर्ट तक जिंदा लौट पाया। सोचें, पंजाब के किसानों की नाराजगी थी और वे प्रदर्शन कर रहे थे। अपने ही लोगों के प्रदर्शन से घबरा कर प्रधानमंत्री वापस लौटे और ऐसा प्रकट किया, जैसे भीड़ उनकी जान लेने के लिए इक;ा थी। और वे किसी तरह से जान बचा कर बठिंडा हवाईअड्डे तक पहुंचे। सोचें, इतने मजबूत सुरक्षा बंदोबस्तों के बाद भी वे अपनी जान की रक्षा को लेकर आश्वस्त नहीं हैं तो देश के 140 करोड़ नागरिकों और एक सौ करोड़ हिंदुओं की रक्षा कैसे करेंगे?

शंकराचार्य के साथ ऐसा बरताव

अजीत द्विवेदी

यह संयोग नहीं है कि करीब तीन साल तक आधा दर्जन से ज्यादा पिछड़ी जाति के नेताओं को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने की चर्चा करने के बाद भाजपा ने अगड़ी जाति के नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया और उसके बाद यूजीसी ने उच्च शिक्षण संस्थानों में भेदभाव खत्म करने के नाम पर ऐसा नियम पेश किया, जिसके खिलाफ पूरा सवर्ण समाज आंदोलित हुआ। यह भी संयोग नहीं है कि एक शंकराचार्य को माघ मेले में मौनी अमावस्या के दिन स्नान से रोका गया और 11 दिन के अनशन के बाद भी किसी ने अनशन समाप्त कराने का प्रयास नहीं किया। उलटे शंकराचार्य की साख बिगाड़ने और उनके पट्टाभिषेक को विवादित साबित करने वाले काम हुए।शंकराचार्य को मेला प्रशासन ने नोटिस देकर उनकी पदवी के बारे में सफाई मांगी और दूसरी नोटिस में उनको धमकाया कि जमीनें ले ली जाएंगी और सुविधाएं छीन ली जाएंगी। हिंदुत्व की राजनीति करने वाली पार्टी अगर हिंदू धर्म की धार्मिक व आध्यात्मिक परंपरा के शिखर पर बैठे चार में से एक शंकराचार्य को धमकी दे रही है तो वह अनायास नहीं हो सकता है।संभव है कि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के साथ रविवार, 18 जनवरी को जो घटना हुई वह अचानक हो गई हो। वे पालकी से स्नान के लिए जा रहे थे और भीड़ बहुत होने की वजह से उनको रोका गया हो। लेकिन उसके बाद जो कुछ भी हो रहा है वह एक राजनीतिक योजना का हिस्सा प्रतीत होता है। ऐसा लग रहा है कि शंकराचार्य से पुरानी बातों और उनके बयानों का बदला लिया जा रहा है और उस पद के महत्व को हमेशा के लिए समाप्त किया जा रहा है। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद अक्सर विवादित बयान देते रहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उनके विवादित बयानों से अछूते नहीं रहे हैं। उन्होंने पिछले साल प्रयागराज के महाकुंभ में हुई भगदड़ और लोगों की मौत को लेकर राज्य की योगी आदित्यनाथ की सरकार को भी कठघरे में खड़ा किया था।

ध्यान रहे भारत में शंकराचार्य का पद कभी भी ईसाई धर्म के वेटिकन के पोप की तरह या इस्लाम धर्म के मौलानाओं, शाही इमामों या खलिफाओं की तरह नहीं रहा है। वे हिंदू धर्म के लिए कोई दिशा निर्देश नहीं जारी करते हैं और उनके प्रति सम्मान का भाव रखने वाला हिंदू समाज भी उनके हिसाब से अपना जीवन चलाने के लिए बाध्य नहीं होता है। वे सनातन की आध्यत्मिक परंपरा के सर्वोच्च प्रतिनिधि होते हैं। आदि शंकराचार्य ने अद्वैत वेदांत का जो सिद्धांत दिया वे उसका प्रतिनिधित्व करते हैं और भारत के एक राष्ट्र राज्य के तौर पर उभरने से पहले शंकराचार्य द्वारा निधरित की गई भौगोलिक सीमा के चारों कोनों का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस लिहाज से उनका अपना महत्व है।शंकराचार्यों की बातों को हिंदू जीवन पद्धति में हस्तक्षेप के तौर पर कभी नहीं देखा गया लेकिन पिछले कुछ समय से कुछ शंकराचार्यों और अन्य धर्मगुरुओं या कथावाचकों का राजनीति में हस्तक्षेप बढ़ा है। अपने समर्थकों या प्रशंसकों की संख्या बढ़ाने के लिए वे लोकप्रिय भावना के अनुरूप बयानबाजी करने लगे। इसमें कथावाचक और धर्म को कारोबार बनाने वालों ने तो सहज रूप से सबसे शक्तिशाली दल और सरकार के समर्थन में बोलना शुरू कर दिया लेकिन आध्यात्मिक परंपरा का पालन करने वाले शंकराचार्यों ने ऐसा नहीं किया।

तभी जब सौंदर्यीकरण के नाम पर मंदिर तोड़े गए तो स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की तुलना औरंगजेब से कर दी या जब अयोध्या में राममंदिर संपूर्ण नहीं हुआ था, उसका शिखर नहीं बना था, उस पर ध्वजा नहीं फहराई गई थी तो चारों शंकराचार्य उसके उद्घाटन में शामिल होने नहीं गए। हो सकता है कि इससे राजसत्ता में नाराजगी हुई हो। राजसत्ता ने धर्मसत्ता को अपने लिए चुनौती की तरह देखा हो और अविमुक्तेश्वरानंद के पुराने राजनीतिक बयानों को आधार बना कर उनके बहाने शंकराचार्य की समूची व्यवस्था की साख बिगाड़ने और उसका महत्व कम करने का प्रयास किया जा रहा हो।

यह भी हो सकता है कि प्रयागराज में माघ मेले में हुई घटना के बहाने सबक देने की कोशिश हुई हो ताकि आगे यह सुनिश्चित किया जा सके कि धर्मसत्ता कभी भी राजसत्ता का विरोध न करे। शंकराचार्य इस बात को समझ रहे हैं तभी धीरे धीरे बाकी तीन शंकराचार्यों, द्वारिका की शारदा पीठ के सदानंद जी महाराज, पुरी की गोवर्धन पीठ के स्वामी निश्चलानंद जी महाराजा और शृंगेरी पीठ के स्वामी भारती तीर्थ जी महाराज ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का समर्थन किया है। पहले अगर स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पट्टाभिषेक को लेकर कुछ संशय था तो उसे दरकिनार करके तीनों शंकराचार्य उनके समर्थन में उतरें हैं।

ध्यान रहे शंकराचार्य का चयन शंकराचार्य ही करते हैं। उसके बाद ज्यादा से ज्यादा यह होता है कि बाकी शंकराचार्य उसका समर्थन करें। इस लिहाज से अविमुक्तेश्वरानंद की नियुक्ति विवादित नहीं होनी चाहिए थी क्योंकि उनके गुरू और शारदा पीठ व ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने उनकी नियुक्ति की थी। ज्योतिषपीठ विवाद में इसलिए फंसा क्योंकि स्वरूपानंद सरस्वती दो पीठों के शंकराचार्य थे। सवाल उठाया गया कि एक व्यक्ति दो पीठ का शंकराचार्य नहीं हो सकता है। इसी तरह से यह भी परंपरा है कि कोई भी पीठ खाली नहीं रहेगी। सो, अगर अविमुक्तेश्वरानंद को शंकराचार्य नहीं माना जाए तो क्या तीन साल से ज्यादा समय से ज्योतिषपीठ खाली है?

बहरहाल, सरकार को इन तमाम बातों की जानकारी है। इसके बावजूद शंकराचार्य से जुड़े विवाद को बढ़ने दिया गया और उनको ससम्मान स्नान करा कर विदा करने और विवाद समाप्त करने की बजाय उनको धमकाया गया। सोचें, जो सरकार या जो पार्टी हत्या और बलात्कार के दोषी ठहराए गए या आरोपी बनाए गए कथावाचकों व कथित संतों को समस्त सुविधाएं देती हो वह एक शंकराचार्य के साथ ऐसा बरताव करे तो क्या इसे सामान्य घटना मान सकते हैं? असल में देश हजारों की संख्या में जो कथावाचक पैदा हुए हैं या कथित साधु, संत, बाबा, महामंडलेश्वर पैदा हुए हैं उनका स्वार्थ है। वे ज्यादा से ज्यादा शिष्य या श्रोता बनाने के लिए काम करते हैं और पैसे कमाने, राजनीति को प्रभावित कर सकने वाली हस्ती बनाने और तमाम भौतिक सुख सुविधाएं हासिल करने के लिए काम करते हैं। इनमें कुछ अपवाद भी होंगे लेकिन ज्यादातर ऐसे ही हैं। ऐसे लगभग सभी लोग भारतीय जनता पार्टी का समर्थन करते हैं और दिन रात प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्रियों का गुणगान करते हैं। शंकराचार्य ये काम नहीं करते हैं और न कर सकते हैं। वे धर्म, आध्यात्म और समाज से जुड़े गंभीर प्रश्न उठाते हैं, जिससे सरकार असहज होती है।

तभी अविमुक्तेश्वरानंद के बहाने शंकराचार्य के पद की प्रतिष्ठा को समाप्त किया जा रहा है। उनकी जगह कथावाचकों व अनाप शनाप बयानबाजी करने और हिंदू मुस्लिम नैरेटिव को बढ़ाने का काम करने वाले कथित साधु संतों का महिमामंडन किया जा रहा है। एक बारीक बात यह है कि शंकराचार्य पारंपरिक रूप से ब्राह्मणवादी व्यवस्था का प्रतिनिधित्व करते हैं। जिस तरह से यूजीसी के नए नियमों का मकसद पिछड़ी जातियों को एक संदेश देना है उसी तरह शंकराचार्य को टारगेट करके भी पिछड़ी जातियों को संदेश दिया जा रहा है कि सरकार पारंपरिक ब्राह्मणवादी व्यवस्था को समाप्त कर रही है। असल में भाजपा को लग रहा है कि कांग्रेस, सपा, राजद जैसी विपक्षी पार्टियां श्जितनी आबादी, उतना हक्श् का नारा देकर अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ी आबादी को अपने साथ जोड़ रही हैं। विपक्ष का यह वोट अपनी ओर करने की दीर्घकालिक योजना के तहत भाजपा नए प्रयोग कर रही है। वह कुछ आगे बढ़ेगी और कुछ पीछे हटेगी लेकिन यह प्रयोग चलेगा। उसको लग रहा है कि अंत में सवर्ण मतदाताओं के पास भाजपा के अलावा कोई चारा नहीं होगा।

हिन्दी दैनिक जोखिम

संक्षिप्त समाचार...

शादी से लौटते समय कार पलटी, युवक की मौत; सात घायल

रुड़की(संवाददाता)। शादी समारोह से परिवार के साथ घर लौट रहे एक युवक की कार स्पीड ब्रेकर पर अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि परिवार के सात अन्य सदस्य घायल हो गए। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से सभी को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल भिजवाया। पुलिस के अनुसार लक्सर कस्बा निवासी संजय वर्मा बाजार में ज्वेलर्स की दुकान करते हैं। वह अपने परिवार के साथ गुरुवार देररात रुड़की में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होकर घर लौट रहे थे। कार में उनकी पत्नी रीटा वर्मा, भाई अजय वर्मा, भाभी सुनीता वर्मा, भतीजा शैलभ वर्मा, उसकी पत्नी तथा उसके दो बच्चे सवार थे। बताया गया है कि लंढौरा के निकट इंडियन पेट्रोल पंप के पास पहुंचते ही कार ब्रेकर पर उछलकर अनियंत्रित हो गई और पलट गई। हादसे में 35 वर्षीय शैलभ वर्मा का सिर कार की छत से टकरा गया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। अन्य सात लोग घायल हो गए।

क्षेत्र के किसानों को सोमवार से खाद होगी वितरित

रुड़की(संवाददाता)। गन्ना विकास समिति पर इस समय यूरिया खाद खत्म हो गई है। इसके लिए गन्ना समिति ने पहले ही डिमांड भेज दी थी। समिति सचिव ने बताया कि शनिवार को खाद समिति के गोदाम पर पहुंच जाएगी। इसके बाद सोमवार से किसानों को खाद बांटी जाएगी। इस समय किसानों को यूरिया खाद की ज्यादा जरूरत पड़ती है। कई दिन पहले भी गोदाम पर खाद खत्म पड़ा था। लेकिन उसके बाद पांच हजार यूरिया के बोरे खाद आया था, जो किसानों को बांटा जा रहा था। गन्ना समिति के विशेष सचिव सूरजभान सिंह ने बताया कि गोदाम पर बृहस्पतिवार को यूरिया खाद खत्म हो गई थी। इसके बाद विभाग ने पहले से ही दस हजार यूरिया के बोरों की बाबत इंडेंट इफको को भेज दिया था।

सीएससी सेंटर की आड़ में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र बनाने वाला गिरफ्तार

रुड़की(संवाददाता)। पुलिस की ओर से सत्यापन अभियान के दौरान शुक्रवार को जनसेवा केंद्र की आड़ में फर्जी जन्म प्रमाण पत्र और अन्य सरकारी दस्तावेज तैयार कर रहे शातिर जालसाज को गिरफ्तार किया है। उसके कमरे में मानवाधिकार जनसेवा केन्द्र का बोर्ड लगा मिला। पुलिस ने कमरे से लैपटॉप, प्रिंटर, आधार कार्ड, पैन कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र के कई दस्तावेज बरामद किए। एसपी देहात शेखर चंद्र सुयाल ने बताया कि एसएसपी नवनीत सिंह के निर्देश पर शुक्रवार को कलियर क्षेत्र में सत्यापन अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान टीम को सूचना मिली कि चारमीनार के पीछे एक होटल में संदिग्ध गतिविधियां चल रही हैं। पुलिस टीम ने होटल में छापेमारी की तो वहां शाहिदा मानवाधिकार जनसेवा केन्द्र का बोर्ड लगा मिला।

सिकरौड़ा के जंगल में संरक्षित पशु का अवैध कटान, तीन नामजद फरार

रुड़की(संवाददाता)। स्थानीय पुलिस ने अवैध कटान की सूचना पर गुरुवार रात को सिकरौड़ा के जंगल में छापेमारी कर संरक्षित पशु की खाल और अवशेष बरामद किए। पुलिस टीम को आता देख आरोपी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। पुलिस ने फरार आरोपियों को चिन्हित कर गोवंश संरक्षण अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश शुरू कर दी है।

115 लोगों का सत्यापन और 16 मकान स्वामियों के चालान किए

रुड़की(संवाददाता)। पुलिस ने शुक्रवार को 115 लोगों का सत्यापन किया। इसके साथ ही किरायेदारों का सत्यापन नहीं कराने वाले 16 मकान मालिकों पर दस-दस हजार रुपये का जुर्माना लगाया। पुलिस की कार्रवाई से अफरा-तफरी का माहौल रहा। टीमों के लौटने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। पुलिस ने अभियान के तहत अन्य राज्यों से आकर किरायेदार के रूप में रह रहे लोगों, घरेलू नौकरों, गुड़ चरखियों, फैक्ट्रियों, कोल्हुओं और ठेली लगाकर काम करने वाले कर्मचारियों का सत्यापन किया।

बच्चों को पढ़ाया कूड़ा प्रबंधन का पाठ

ऋषिकेश(संवाददाता)। स्वच्छ सर्वेक्षण के तहत नगर पालिका परिषद मुनिकीरेती की ओर से राजकीय प्राथमिक विद्यालय ढालवाला में छात्र-छात्राओं को कूड़ा प्रबंधन का पाठ पढ़ाया गया। इस दौरान छात्र-छात्राओं को कूड़ा पृथक्करण, ट्रिपल आर एवं स्वच्छता बनाए रखने की भी जानकारी दी गई। पाठशाला का शुभारंभ पालिकाध्यक्ष नीलम बिजल्वाण ने किया। उन्होंने कहा कि सभी को कूड़ा प्रबंधन संबंधित जानकारियां होनी चाहिए। उन्होंने सभी से घरों में डस्टबीन रखने और उसमें कूड़ा डालने की अपील की। कहा कि निकाय की ओर से सेग्रीगेट कूड़ा देने वालों को स्वच्छता चौंपियन के रूप में सम्मानित भी किया जाएगा।

शिक्षा मंत्री डॉ. रावत ने किया डायट भीमताल का औचक निरीक्षण

- अधिकारियों से ली संस्थान के शैक्षिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जानकारी

- हल्द्वानी में आयोजित सम्मान समारोह में उत्कृष्ट शिक्षकों को किया सम्मानित

हल्द्वानी(संवाददाता)। सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने आज कुमाऊँ मण्डल के एक दिवसीय दौरे के दौरान जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) भीमताल का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से संस्थान में शैक्षिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। डॉ. रावत ने भ्रमण के दौरान विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण कर बोर्ड परीक्षाओं की व्यवस्थाओं को भी परखा। इसके अलावा उन्होंने हल्द्वानी में आयोजित सम्मान समारोह में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को भी सम्मानित किया। विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने मीडिया को जारी बयान में बताया कि कुमाऊँ मण्डल के एक दिवसीय दौरे के दौरान उन्होंने डायट भीमताल सहित विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान भीमताल के औचक निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्थान की शैक्षिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। साथ ही अधिकारियों से प्रशिक्षण कार्यक्रमों, संसाधनों की उपलब्धता, शिक्षकों के प्रशिक्षण मॉड्यूल तथा संस्थान की कार्यप्रणाली की जानकारी भी ली। डॉ. रावत ने निरीक्षण के दौरान डायट परिसर में निर्माणाधीन बहुउद्देशीय भवन एवं प्रशासनिक भवन के निर्माण कार्यों की जानकारी ली, साथ ही कार्यदायी संस्था एवं विभागीय अधिकारियों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिये। इसके पश्चात उन्होंने एचजीएस स्कूल, भीमताल का भ्रमण कर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं से मिलकर उनका उत्साहवर्धन किया। इसके साथ ही डॉ. रावत ने भीमताल, नौकुचियाताल, हल्द्वानी, बागेश्वर में विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण कर शनिवार से शुरू होने वाली बोर्ड परीक्षाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विभागीय मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि परीक्षाएं नकलविहीन, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करने के निर्देश दिये। कुमाऊं दौरे के दौरान डॉ. रावत ने हल्द्वानी में देश के अमर उजाला एवं देवभूमि फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'देवभूमि शिक्षा सम्मान' के चतुर्थ संस्करण में बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग कर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट, नवाचारी एवं समर्पित कार्य करने वाले शिक्षकों को सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. रावत ने कहा कि शिक्षक समाज की सबसे मजबूत नींव हैं। गुरु न केवल ज्ञान देते हैं, बल्कि संस्कार, प्रेरणा व राष्ट्र निर्माण की भावना भी जगाते हैं। उन्होंने सभी सम्मानित शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

फुटपाथ से चोरी हुई बच्ची 4 घंटे में बरामद, आरोपित की तलाश जारी

हरिद्वार(संवाददाता)। तुलसी चौक स्थित फुटपाथ से दो वर्ष की बच्ची के चोरी होने के मामले में हरिद्वार पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज चार घंटे के भीतर बच्ची को सकुशल बरामद कर लिया। घटना की सूचना मिलते ही एसएसपी के निर्देश पर सिटी कोतवाली पुलिस, एएचटीयू और सीआइयू की पांच संयुक्त टीमें गठित कर बच्ची की तलाश शुरू की गई। साथ ही जिले के संवेदनशील स्थानों, सीमावर्ती क्षेत्रों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध गतिविधियों को लेकर अलर्ट जारी किया गया। मैन्युअल पुलिसिंग और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर लगातार अभियान चलाते हुए पुलिस टीम ने चोरी हुई बच्ची को ऋषिकुल चौक बस स्टॉप के पास लावारिस हालत में बरामद कर लिया। पुलिस अब तक जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

छात्र-छात्राओं ने देखी फिल्म 'गोदान'

ऋषिकेश(संवाददाता)। ऋषिकेश स्थित रामा पैलेस में फिल्म गोदान के प्रथम शो का प्रदर्शन शुक्रवार को हुआ। इस दौरान सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज आवास-विकास के 580 छात्र-छात्राओं ने फिल्म देखी। फिल्म के जरिए विद्यार्थियों ने फिल्म के माध्यम से संस्कृति, संवेदनशीलता और सामाजिक उत्तरदायित्व की सीख प्राप्त की। शुक्रवार को दून मार्ग स्थित रामा पैलेस में फिल्म गोदान के शो का शुभारंभ धर्मार्थ गो सेवा ट्रस्ट के मौनी बाबा एवं विद्या भारती के प्रदेश निरीक्षक डॉ. विजयपाल ने किया। मुख्य अतिथि मौनी बाबा ने कहा कि भारतीय परंपरा में गौ का महत्व केवल आस्था तक सीमित नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, प्राकृतिक खेती, पोषण और पर्यावरण संरक्षण से गहराई से जुड़ा हुआ है। उन्होंने इसे समाज को जागरूक करने वाली सार्थक पहल बताया। डॉ. विजयपाल ने कहा कि इस प्रकार की फिल्म गो संरक्षण के लिए समाज में एक सकारात्मक संदेश का कार्य करेगी। हर व्यक्ति को यह फिल्म देखनी चाहिए। सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज आवास-विकास के प्रधानाचार्य उमाकांत पंत ने कहा कि यह फिल्म महान साहित्यकार मुंशी प्रेमचंद के उपन्यास गोदान से प्रेरित है, जो भारतीय ग्रामीण जीवन, सामाजिक यथार्थ और मानवीय मूल्यों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत करती है। समापन पर फिल्म के निर्माता विनोद कुमार चौधरी एवं पूरी टीम के प्रयासों की सराहना की गई और विद्यार्थियों को फिल्म से मिली प्रेरणा को जीवन में उतारने के लिए विद्यालय प्रबंधन समिति एवं विद्यालय परिवार द्वारा चेयर छात्राओं को प्रोत्साहित भी किया गया। मौके पर विद्यालय के प्रबंधक प्रो. गौरव वार्ष्णेय, इंजीनियर अनिल मित्तल, दयाराम वार्ष्णेय, स्वामी दीन गोपाल दास, हेमंत गुप्ता, दीपक तायल, डॉ. नमन चंद्रा, राकेश शर्मा, नरेश गर्ग, नंदकिशोर भट्ट, शान्ति प्रसाद बेलवाल, रामगोपाल रतूड़ी, मनोज पंत, रजनी गर्ग आदि उपस्थित रहे।

सितारगंज में दो सड़कों के लिए 190.93 लाख की वित्तीय व प्रशासनिक मंजूरी

-हाइवे से तुर्कातिसौर, गगनपुर की ओर चार किमी सड़क मंजूरी पर ग्रामीणों ने किया मिष्ठान वितरण

विधानसभा क्षेत्र सितारगंज के अंतर्गत दो प्रमुख मार्गों के पुनर्निर्माण के लिए 190.93 लाख की वित्तीय स्वीकृति शासन से प्राप्त हो गई है। सिरसा शक्तिफार्म से ग्राम शहदौरा तक इंटरलॉकिंग टाइल्स द्वारा मार्ग का निर्माण, बटेश्वर की चक्की से तुर्कातिसौर और कैलाशपुरी नहर पुलिया होते हुए गगनपुर तक की 4 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण होने से आवागमन आसान होगा। मेरा लक्ष्य हमेशा से यही रहा है कि सितारगंज का कोना-कोना मुख्यधारा से जुड़े और हर नागरिक को बेहतर सुविधाएं मिलें। इसके लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार। क्षेत्रवासियों को बधाई।

सितारगंज, संवाददाता। सितारगंज विधानसभा क्षेत्र की दो सड़कों को राज्य योजना में 190.93 लाख की प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति मिली है। संयुक्त सचिव राजेन्द्र सिंह पतियाल ने गुरुवार को जीओ जारी कर दोनों सड़कों की 10-10 हजार की टोकन मनी भी जारी कर दी है।कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के निर्देश पर लोनिवि ने सितारगंज एनएच 125 बटेशर की चक्की से से तुर्कातिसौर व कैलाशपुरी, नहर पुलिया होते हुए गगनपुर तक करीब चार किमी मार्ग का निर्माण का आगणन तैयार कर प्रस्ताव शासन को भेजा था। मंत्री बहुगुणा ने राज्य योजना में चार किमी लम्बाई में 95.20 लाख की लागत से सड़क को मंजूरी दिलायी है। इस सड़क के लिए टोकन मनी जारी हुई है। वहीं सिरसा शक्तिफार्म मार्ग में शहदोरा आंतरिक मार्ग व वन चौक पोस्ट की ओर मार्ग का इण्टरलॉकिंग टाइल्स करीब 1.4 किमी के लिए 95.83 लाख की योजना को राज्य योजना में प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति मिली है। लोनिवि के अपर सहायक अभियंता सत्यपाल सिंह ने बताया कि टेंडर प्रक्रिया पूरी कर जल्द निर्माण शुरू होगा। शुक्रवार को ग्रामीणों ने सड़क की मंजूरी मिलने पर तुर्कातिसौर में मिष्ठान वितरण कर कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा का आभार जताया। ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र के सम्पर्क मार्गों के निर्माण से आवागमन लगातार सुलभ हो रहा है। यहां पूर्व जिला पंचायत सदस्य उदय राणा, ग्राम प्रधान पुष्पेन्द्र राणा, बीडीसी सदस्य विरेंद्र सिंह, जगीर सिंह, जयमल सिंह, धरमवीर सिंह, रामनिवास सिंह, राजेन्द्र सिंह मौजूद रहे।

रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ एनएसएस शिविर का हुआ शुभारंभ

चमोली(संवाददाता)। राजकीय पॉलीटेक्निक का सात दिवसीय एनएसएस शिविर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ राजकीय प्राथमिक विद्यालय बंदरखंड में शुरू हुआ। शिविर का शुभारंभ करते हुए संस्थान के प्रधानाचार्य राजकुमार ने कहा कि शिविर का उद्देश्य छात्रों में तकनीकी शिक्षा के साथ सामाजिक जिम्मेदारियों का अहसास कराना है। सभासद विनोद कनवासी ने कहा कि इन शिविरों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता, स्वच्छता और सामाजिक विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जाते हैं।

चमोली जिले के प्रत्येक ब्लॉक में दो प्राइमरी स्कूल बनेंगे आदर्श

चमोली(संवाददाता)। चमोली जिले में प्रत्येक ब्लॉक में दो प्राइमरी स्कूल आदर्श विद्यालय बनाए जाएंगे। शिक्षा विभाग ने जिला प्रशासन की संस्तुति के बाद इसकी तैयारी की है। इन प्राइमरी स्कूल में बेहतर शैक्षणिक गतिविधियों को तैयार करने के लिए जरूरी संसाधन भी जल्द उपलब्ध कराए जाएंगे। नवनियुक्त मुख्य शिक्षा अधिकारी आकाश सारस्वत में बताया कि मॉडल स्कूल के लिए शीघ्र ही जनपद में 18 विद्यालयों का चयन किया जाएगा। इन विद्यालयों के चिह्नीकरण के लिए मानक तय किए जा रहे हैं। चयन के बाद इन विद्यालयों में भौतिक और अकादमिक प्रकार के संसाधनों की पूर्ण उपलब्धता इसी सत्र से कराई जाएगी स साथ ही चयनित विद्यालयों के प्रध ानाध्यापकों का एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यक्रम जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान गौचर में किया जाएगा स सीईओ सारस्वत ने बताया कि जिले में वर्तमान में प्रत्येक ब्लॉक में दो- दो आदर्श विद्यालय पूर्व से संचालित हैं। इसके अलावा पांच पीएमश्री प्राथमिक विद्यालय भी जनपद में संचालित हो रहे हैंस विद्यालयों को आदर्श बनाने की प्रक्रिया में पूर्व चयनित आदर्श विद्यालय भी प्रतिभाग कर सकते हैं। कहा कि इस प्रक्रिया के लिए जिलाधि कारी गौरव कुमार की ओर से भी संस्तुति की गई है।

गोदियाल ने की भोटिया पड़ावों के जनजाति के लोगों को मालिकाना हक देने की पैरवी

चमोली(संवाददाता)। नीती-माणा जनजाति कल्याण समिति की ओर से बेड़ूबगड़ (बिरही) में आयोजित तीन दिवसीय जनजाति समागम में दूसरे दिन जनजाति समाज की भविष्य की रणनीति और प्रस्तुतिकरण पर चर्चा हुई। इस दौरान वक्ताओं ने जनजाति के उत्थान, बोली-भाषा, रहन-सहन, खानपान को संरक्षित करने पर जोर दिया। समागम में पहुंचे कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि उत्तराखंड में जनजाति समुदाय के ग्रामीण अनेकता में एकता का संदेश देते हैं। उन्होंने भोटिया पड़ावों के जनजाति के लोगों को मालिकाना हक देने की पैरवी की। उन्होंने कहा कि जनजाति के ग्रामीण सीमा क्षेत्र में द्वितीय रक्षा पंक्ति की भूमिका निभाते हैं। ग्रीष्मकाल में नीती और माणा घाटी के ग्रामीण सीमा क्षेत्रों में अपने पैतृक घरों में निवास करते हैं जबकि शीतकाल में छह माह तक जनपद के निचले क्षेत्रों में रहते हैं। निचले क्षेत्रों के निवासस्थल को भोटिया पड़ाव कहते हैं। उन्होंने कहा कि इन पड़ावों पर जनजाति के लोगों को मालिकाना हक दिया जाना चाहिए। सीमा क्षेत्र के लोग मजबूत होंगे तो हमारी देश की सीमाएं भी मजबूत होंगी।बदरीनाथ विधायक लखपत बुटोला ने कहा कि जनजाति के लोगों की भोटिया पड़ावों में मालिकाना हक की मांग को विधानसभा में उठाया जाएगा। नीती-माणा जनजाति कल्याण समिति के अध्यक्ष हरीश परमार ने कहा कि यह समागम स्वर्गीय दीवान सिंह खाती के लिए समर्पित किया गया है। उन्होंने जनजाति के उत्थान के लिए अद्वितीय कार्य किए।

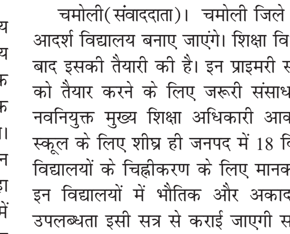

देवराड़ा के पास भूस्खलन जोन में ट्रीटमेंट कार्य नहीं हो पाया शुरू

चमोली(संवाददाता)। सिमली-ग्वालदम-अल्मोड़ा राष्ट्रीय राजमार्ग पर देवराड़ा गांव के नीचे भूस्खलन जोन का ट्रीटमेंट बीआरओ शुरू नहीं कर पाया है। यहां बीते वर्ष अगस्त में भूस्खलन से 30 मीटर दीवार क्षतिग्रस्त हो गई थी। इससे हाइवे पर केवल तीन मीटर चौड़ी सड़क ही शेष रह गई थी। हाइवे से गुजरने वाले लोग जान-जोखिम में डालकर चल रहे हैं। इस सड़क पर प्रतिदिन डेढ़ हजार से अधिक छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं। यहां पर सड़क के दोनों तरफ मोड़ होने से दुर्घटनाओं की संभावना और बढ़ जाती है। पिछले सप्ताह इसी के पास एक वाहन भी दुर्घटना ग्रस्त हो गया था जिसमें चार लोग गंभीर घायल हो गए थे। नपंअ सुनीता रावत ने जल्द यहां सुरक्षा प्रबंध किए जाने की मांग की है। वहीं इस संबध में बीआरओ के अवर अभियंता आनंद जम्भूलकर का कहना है कि यहां पर दीवार निर्माण के लिए प्रस्ताव स्वीकृत हो गया है। जल्दी ही यहां पर दीवार का निर्माण किया जाएगा।

महिलाओं को दी बाजार की जानकारी, क्रेता-विक्रेता सम्मेलन में किया प्रतिभाग

चमोली(संवाददाता)। खादी ग्रामोद्योग आयोग के देहरादून में आयोजित क्रेता-विक्रेता सम्मेलन में चमोली जिले की 25 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। यहां महिलाओं उत्पादों को कैसे बाजार मिले इसकी जानकारी दी गई। साथ ही विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई। सेवा इंटरनेशनल सिमली की ओर से महिलाओं को सिलाई, कटिंग और प्रशिक्षण दिया गया। इसमें से 25 महिलाओं को आयोग में सम्मेलन के लिए चुना गया। सेवा इंटरनेशनल के प्रदीप नेगी ने बताया कि सम्मेलन में हुए संवाद कार्यक्रम में महिलाओं ने अपने प्रशिक्षण के अनुभव, इस क्षेत्र की चुनौतियां, व्यापारिक प्रतिस्पर्धा, रोजगार के अवसर रोजगार विकास, व्यापार कौशल एवं प्रबंधन पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। आयोग के पीएमईजीपी योजना के प्रभारी अधिकारी डीडी जमलोकी ने स्लाइड शो के माध्यम से व्यापार कौशल एवं विस्तार हेतु आयोग एवं सरकार द्वारा महिलाओं स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। महिला उद्यमी पूजा तोमर ने महिलाओं को सिलाई एवं कटिंग से जुड़ी जानकारियां, फैशन एवं डिजाइनिंग, मूल्य लागत, मूल्य निर्धारण की जानकारी दी। सम्मेलन में प्रतिभाग करने वालों में महिला उद्यमी दीक्षा पंवार, स्वाति कांबोज, पूजा, सीमा, अर्चना नेहा, एवं खादी ग्रामोद्योग आयोग के विजय पंत, विशाल, मधुकर आदि शामिल थे।

जिले में शत प्रतिशत संस्थागत डिलीवरी करना करें सुनिश्चित : डीएम

चमोली(संवाददाता)। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता को जिले में शत-प्रतिशत संस्थागत डिलीवरी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को कलेक्ट्रेट में मातृ मृत्यु की समीक्षा बैठक के दौरान डीएम ने कहा कि हाई रिस्क गर्भावस्था के मामलों की नियमित जांच और समय पर इलाज की समुचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने रेफरल मामलों की निगरानी, हाई रिस्क गर्भावस्था की पहचान तथा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के निर्देश दिए। संसाधनों की उपलब्धता, बेहतर प्रसव देखभाल और मातृ-शिशु स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य विभाग व बाल विकास विभाग के बीच समन्वय बनाने पर भी जोर दिया। साथ ही मातृ मृत्यु के कारणों की पहचान कर ग्राम स्तर पर जागरूकता बढ़ाने को कहा। डीएम ने सभी चिकित्सालयों में मैनपावर बढ़ाने, आवश्यक चिकित्सा उपकरणों के प्रस्ताव तैयार कर उपलब्ध कराने, गर्भवती महिलाओं का पंजीकरण कर प्रसव पूर्व चार एएनसी जांच सुनिश्चित करने तथा पोर्टल पर शत-प्रतिशत एंट्री कराने के निर्देश दिए। एएनएम के कार्यों का नियमित निरीक्षण करने, अस्पतालों में साफ-सफाई बनाए रखने और चिकित्सकों की निर्धारित समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने को भी कहा। जहां चिकित्सकों की कमी है, वहां अन्य अस्पतालों से ड्यूटी लगाने के निर्देश दिए गए। बैठक में प्रभारी अधिकारी डॉ. पवन पाल, गोपेश्वर के चिकित्सक हरीश थपलियाल, डॉ. अरुण त्रिपाठी सहित अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे।

हथकरघा-हस्तशिल्प पुरस्कार के लिए आवेदन शुरू

चमोली(संवाददाता)। जिले में हथकरघा बुनकरों, हस्तशिल्पियों व लघु उद्यमियों को उत्कृष्टता के आधार पर जिला उद्योग केंद्र की ओर से पुरस्कार दिया जाएगा। इसके लिए उद्योग विभाग में आवेदन करना होगा। इसमें जिला स्तर पर गठित चयन समिति की ओर से उत्कृष्ट उत्पाद का चयन किया जाएगा। जिला उद्योग केंद्र की महाप्रबंधक अंजलि रमन ने बताया कि जिला स्तर पर हथकरघा बुनकरों, हस्पशिल्पियों और लघु उद्यमियों का चयन किया जाएगा। प्रत्येक श्रेणी में प्रथम पुरस्कार 60 हजार रुपये और द्वितीय पुरस्कार 40 हजार रुपये दिए जाएंगे। इसके लिए बुनकर, हस्तशिल्पियों और उसका उद्योग जो उद्योग निदेशालय उत्तराखंड या विकास आयुक्त हथकरघा/हस्तशिल्पी भारत सरकार के अधीर पंजीकृत होना चाहिए।

हिन्दी दैनिक जोखिम

जनसहभागिता से तैयार होगा प्रदेश का जनोन्मुखी बजट, सुझावों को मिलेगा नीतियों में स्थान : मुख्यमंत्री

– रांसी स्थित बहुउद्देश्यीय भवन में मुख्यमंत्री की मौजूदगी में हुआ व्यापक मंथन

पौड़ी(संवाददता)। जनपद पौड़ी के रांसी स्थित बहुउद्देश्यीय भवन में प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में बजट पूर्व संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए जनप्रतिनिधियों, कृषकों, उद्यमियों, व्यापारियों, महिला समूहों, पर्यटन व्यवसायियों, मत्स्य पालकों, कृषि वैज्ञानिकों, स्थानीय निकाय प्रतिनिधियों एवं विभिन्न क्षेत्रों के हितधारकों ने सहभागिता करते हुए आगामी बजट के लिए अपने सुझाव प्रस्तुत किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य ऐसा जनहितकारी बजट तैयार करना है, जो प्रदेश की जमीनी आवश्यकताओं, क्षेत्रीय विशेषताओं और जनअपेक्षाओं के अनुरूप हो। उन्होंने कहा कि बजट केवल आय-व्यय का दस्तावेज नहीं, बल्कि विकसित उत्तराखण्ड के निर्माण का रोडमैप है, जिसमें प्रत्येक वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस संवाद कार्यक्रम में शामिल होकर अपने महत्वपूर्ण सुझाव देने के लिए सभी का आभार व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा प्रयास है कि समाज के प्रत्येक वर्ग जैसे पर्यटन व्यवसायियों, व्यापारियों, महिला स्वयं सहायता समूहों, किसानों और उद्यमियों की अपेक्षाएं और आवश्यकताएं बजट में समुचित रूप से परिलक्षित हों। उन्होंने कहा कि इस संवाद के दौरान अनेक व्यावहारिक और दूरदर्शी सुझाव प्राप्त हुए हैं, जो राज्य के विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि हमने बजट निर्माण की प्रक्रिया को पारदर्शी, सहभागी और जनोन्मुखी बनाने का संकल्प लिया है। सीमांत क्षेत्रों सहित प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर जनता से संवाद कर सुझाव प्राप्त किए जा रहे हैं, ताकि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और प्रत्येक वर्ग की भागीदारी इसमें सुनिश्चित हो सके।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर है और व्यापार, उद्योग, पर्यटन, कृषि एवं महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। राज्य में होमस्टे, स्वरोजगार और निवेश के नए अवसर सृजित हुए हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार को बढ़ावा मिला है। सरकार का लक्ष्य किसानों को उद्यमी के रूप में विकसित करना, महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना तथा राज्य की अर्थव्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करना है।मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट पूर्व संवाद के दौरान प्राप्त सभी सुझावों का गंभीरता से परीक्षण कर उन्हें आगामी बजट और नीतिगत निर्णयों में यथासंभव शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य ऐसा बजट प्रस्तुत करना है, जो आकार में व्यापक, प्रभाव में ठोस और पूरी तरह जनहित पर केंद्रित हो, ताकि विकास का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंच सके।मुख्यमंत्री ने वर्ष 2047 तक उत्तराखंड को आत्मनिर्भर एवं अग्रणी राज्य बनाने के संकल्प को दोहराते हुए कहा कि प्रदेश ने वित्तीय अनुशासन और विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जनसहभागिता से तैयार होने वाला यह बजट राज्य की विकास यात्रा को और अधिक गति प्रदान करते हुए समृद्ध और सशक्त उत्तराखंड के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

दून एसएसपी ने पुलिसवालो संग लगाई दौड़, कहा-फिटनेस और अनुशासन से कोई समझौता नहीं

देहरादून(संवाददाता)। दून एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने पुलिस लाइन में परेड के निरीक्षण के दौरान पुलिसवालों संग दौड़ लगाई। उन्होंने पुलिसकर्मियों व अधिकारियों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से फिट रहने के लिये प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि अनुशासन से कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने पुलिस मैस और क्वार्टर गार्द में गंदगी होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने अभिलेख अधूरे होने भी पुलिसकर्मियों को फटकार लगाई। शुक्रवार को एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने पुलिस लाइन में आयोजित परेड का निरीक्षण किया। परेड के दौरान एसएसपी डोबाल ने अधीनस्थ अधिकारियों व कर्मचारियों के साथ दौड़ लगाई। परेड समाप्ति के बाद एसएसपी डोबाल ने पुलिस लाइन का भ्रमण किया।

मसूरी को शीघ्र ही 40 अतिरिक्त गोल्फकार्ट मिलेंगे, जल्द होगा एमओयू

– रिक्शा चालकों की आय में वृद्धि, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों व पर्यटकों को आधुनिक आवागमन सुविधा

– मसूरी को शीघ्र ही 40 अतिरिक्त गोल्फकार्ट मिलेंगे, जल्द होगा एमओयू

देहरादून(संवाददाता)। पर्यटन नगरी मसूरी को शीघ्र ही 40 अतिरिक्त गोल्फकार्ट की सुविधा प्राप्त होगी। जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण पहल के लिए सभी तैयारिया पूर्ण कर ली है। इस संबंध में आरईसी (रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कार्पोरेशन लिमिटेड) भारत सरकार के सहयोग से गोल्फकार्ट उपलब्ध कराए जाएंगे। आरईसी के प्रबंध निदेशक एवं अपर सचिव, भारत सरकार जल्द एमओयू पर हस्ताक्षर करेंगे। डीएम सविन बंसल ने शुक्रवार को बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य मसूरी में बढ़ते यातायात दबाव को कम करना, पर्यटकों एवं स्थानीय नागरिकों को सुगम, सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल परिवहन उपलब्ध कराना है। साथ ही पारंपरिक रिक्शा चालकों को बेहतर आय के अवसर प्रदान करना है। मसूरी में अतिरिक्त गोल्फकार्ट संचालित होने से माल रोड एवं कैमलबैक रोड पर जाम की समस्या में कमी आएगी। प्रदूषण-मुक्त परिवहन को बढ़ावा मिलेगा, स्थानीय रिक्शा चालकों की आर्थिकी में वृद्धि होगी। वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों एवं पर्यटकों को आरामदायक आवागमन सुविधा मिलेगी। पर्यटन अनुभव अधिक सुव्यवस्थित एवं आकर्षक बनेगा। बताया कि सभी संबंधित विभागों को गोल्फकार्ट संचालन को आवश्यक व्यवस्थाएं, मार्ग निर्धारण, पार्किंग स्थल, चार्जिंग व्यवस्था, सुरक्षा मानक एवं संचालन प्रणाली-समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। प्रशासन द्वारा गोल्फकार्ट के लिए आरईसी (रूरल इलेक्ट्रीफिकेशन कार्पोरेशन लिमिटेड) भारत सरकार के अधिकारियों से चर्चा कर अपना प्रस्ताव प्रस्तुत कर सीएसआर फंड से धनराशि की मांग की थी। आरईसी से 3.36 करोड़ धनराशि सीएसआर फंड से दी जाएगी। --- मसूरी में 14 गोल्फकार्ट हैं जिला प्रशासन के प्रयासों से दिसंबर 2024 को मसूरी को सुगम सुविधा एवं जाम से निजात दिलाने के लिए गोल्फकार्ट का शुभारम्भ किया गया था स्थानीय रिक्शा चालकों को गोल्फ कार्ट चलाने को कंपनी के विशेषज्ञों द्वारा प्रशिक्षित किया गया है।

संक्षिप्त समाचार...

गंदगी मिलने पर कप्तान डोबाल बिफरे

देहरादून(संवाददाता)। एसएसपी प्रमेंद्र डोबाल ने पुलिस लाइन में परेड के निरीक्षण के दौरान विभिन्न विषयों को लेकर जानकारी ली। उन्होंने शुक्रवार को मैस में गंदगी पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों का वेलफेयर प्राथमिकता है पर अनुशासन से कोई समझौता नहीं।

केसरवाला में लाइन शिफ्टिंग कार्य का शुभारंभ

देहरादून(संवाददाता)। रायपुर विधायक उमेश शर्मा काऊ ने केसरवाला में अपनी विधायक निधि से घरों और खेतों के ऊपर से गुजर रही 11 केवी एवं एलटी विद्युत लाइनों को हटाने के कार्य का शुभारंभ किया। विधायक काऊ ने बताया कि यह महत्वपूर्ण कार्य मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की पहल पर प्रारंभ हुआ है। यह निर्णय क्षेत्र की जनता की सुरक्षा, सुविधा और भविष्य को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। उन्होंने कहा कि रायपुर विधानसभा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए उनकी प्रतिबद्धता आगे जारी रहेगी।

स्मार्ट मीटर पर जागरूकता बढ़ाने के लिए लगाया शिविर

देहरादून(संवाददाता)। लोगों में स्मार्ट मीटर पर जागरूकता बढाने को लेकर यूपीसीएल ने शुक्रवार को इसी रोड स्थित यूपीपीसीएल कार्यालय में जागरूकता शिविर का आयोजन किया। जिसमें लोगों को स्मार्ट मीटर से होने वाले फायदे के बारे में बताया गया। उपभोक्ताओं से कहा गया कि स्मार्ट मीटर भविष्य की जरूरत है और तकनीक को अपनाने से उनकी बिजली के बिलों की समस्या का समाधान हो जाएगा। मौके पर विधायक खजानदास समेत यूपीसीएल के अनेक अधिकारी मौजूद रहे।

दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया

चम्पावत (संवाददाता)। टनकपुर क्षेत्र में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को दहला दिया। शारदा रेंज के जंगल में घास लेने गई 45 वर्षीय महिला को जंगली हाथी ने हमला कर मौत के घाट उतार दिया। हाथी ने पहले महिला को उठाकर जमीन पर पटका और फिर पैरों से कुचल दिया। महिला का शव क्षत-विक्षत हालत में जंगल में मिला।प्राप्त जानकारी के अनुसार नई बस्ती वार्ड नंबर-5 निवासी माधुरी देवी (45) पत्नी भूपराम गुरुवार दोपहर बाद शारदा रेंज के सेना पानी मार्ग की ओर घास लेने गई थीं। इसी दौरान जंगल में अचानक एक हाथी ने उन पर हमला कर दिया।प्रत्यक्षदर्शियों ने बताई भयावह घटनाआसपास मौजूद लोगों के मुताबिक हाथी ने पहले महिला को सूंड से उठाकर जमीन पर जोर से पटका और फिर बार-बार पैरों से रौंद दिया। घटना के बाद हाथी जंगल की ओर चला गया। कुछ देर बाद ग्रामीणों ने महिला को जंगल में गंभीर हालत में पड़ा देखा और तत्काल पुलिस व वन विभाग को सूचना दी।ौके पर पहुंची वन, पुलिस और राजस्व विभाग की टीमसूचना मिलते ही वन विभाग, पुलिस और राजस्व विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंची। महिला को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रामनगर के नए उपजिलाधिकारी गोपाल चौहान ने संभाला कार्यभार

रामनगर (संवाददाता)। रामनगर में आज ईमानदार और कर्मठ पीसीएस अधिकारी गोपाल चौहान ने उप जिला अधिकारी (एसडीएम) के रूप में अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया। कार्यभार संभालने के बाद उन्होंने अपनी प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए क्षेत्र के समग्र विकास पर जोर दिया। नवनियुक्त एसडीएम ने कहा कि रामनगर क्षेत्र पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण स्थल है, जहां देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा।

नैनीताल में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन

नैनीताल (संवाददाता)। / मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार प्रदेश में आम जनमानस को केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने तथा जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के दूसरे चरण के अंतर्गत शुक्रवार को विधायक नैनीताल सरिता आर्या की अध्यक्षता में तथा उपजिलाधिकारी नवाजिश खलिक के संचालन में सीआरएसटी इंटर कॉलेज नैनीताल में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में कुल 18 शिकायतें प्राप्त हुई,जिनमें से अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया।260 लोगों द्वारा शिविर का सीधा लाभ लिया गया।शिविर में नगर पालिका नैनीताल अंतर्गत स्टानले कमाउंड, रामलीला मैदान 7 नंबर,स्टाफ हाउस क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट, पेयजल, मार्ग सुधारीकरण की मांग क्षेत्र से आए लोगों द्वारा रखी गई। इस संबंध में उपजिलाधिकारी द्वारा संबंधित विभागों को तत्काल कार्यवाही के निर्देश दिए। शिविर में पुराना घोड़ा स्टैंड में महिला समूहों हेतु पूर्व में बनाई गई दुकानों जो सड़क चौड़ीकरण में हट गई थी, पुन:निर्माण करने की मांग की गई इस संबंध में ईओ नगर पालिका को कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त शिविर में पेयजल एवं विद्युत आदि से संबंधित समस्या प्राप्त हुई जिनके निस्तारण हेतु संबंधित को निर्देश दिए गए। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा उपस्थित जनता को विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई, तथा अपने अपने स्टालों के माध्यम से योजनाओं का लाभ जनता को प्रदान किया गया। शिविर में आयुर्वेदिक विभाग द्वारा 102 व होम्योपैथिक विभाग द्वारा 40 लोगों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर दवा दी गई। श्रम विभाग द्वारा 5 व्यक्तियों को विभाग में पंजीकृत करने हेतु आवेदन भरे गए । पशुपालन विभाग द्वारा 28 पशुपालकों को विभागीय योजना से लाभान्वित किया गया। मत्स्य विभाग द्वारा 56 किसानों को विभागीय योजनाओं से संबंधित आवेदन लिए गए,विद्युत विभाग द्वारा 4 विद्युत बिल से संबंधित समस्या का समाध ान किया गया। इसी प्रकार कृषि विभाग द्वारा 20, उद्यान विभाग द्वारा 19 किसानों को बीज, रसायन व कृषि यंत्र उपादान में दिए गए। उद्योग विभाग द्वारा 32 लोगों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया गया। बाल विकास विभाग द्वारा 8 लाभार्थियों को मुख्यमंत्री महालक्ष्मी किट प्रदान किए गए। समाज कल्याण विभाग द्वारा 10 लाभार्थियों को समाज कल्याण की योजनाओं की जानकारी दी गई। शिविर में राजस्व विभाग द्वारा विभिन्न प्रमाण पत्र से संबंधित जानकारी लोगों को प्रदान की गई। शिविर में अधिशासी अधिकारी नगर पालिका नैनीताल रोहिताश शर्मा, सदस्य मंडी परिषद मनोज जोशी, भाजपा नगर अध्यक्ष नितिन कार्की,दयाकिशन पोखरिया सहित विभिन्न जन प्रतिनिधि , स्थानीय नागरिक, विभागों के अधि कारी, कर्मचारी मौजूद रहे।

छात्र महासंघ अभिनन्दन समारोह का आयोजन

रामनगर (संवाददाता)। कुमाऊं विश्वविद्यालय छात्र महासंघ अभिनन्दन समारोह का आयोजन राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय रामनगर में छात्र महासंघ कोषाध्यक्ष रोहित नेगी द्वारा किया गया। छात्र महासंघ अभिनंदन समारोह का शुभारंभ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व मुख्यमंत्री उत्तराखंड हरीश रावत ने जनप्रतिनिधियों और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ किया। उन्होंने सभी महासंघ पदाधिकारियों को बधाई देते हुए छात्र छात्राओं को शिक्षा के साथ

साथ प्रत्येक क्षेत्र में निरन्तर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो.एम.सी.पाण्डेय ने की। इस दौरान ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी, ज्येष्ठ उप प्रमुख संजय नेगी,कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व पूर्व राज्यमंत्री पुष्कर दुर्गापाल, कांग्रेस नेता टाइफ खान, कांग्रेस नेता अभिमन्यु डंगवाल,भाजपा नेता शिशुपाल सिंह रावत,छात्र महासंघ अध्यक्ष आशीष कबडवाल, छात्र संघ अध्यक्ष रामनगर कृष्ण कुमार,उपाध्यक्ष मनोज पाण्डेय,छात्रा उपाध्यक्ष खुशी कश्यप,उपसचिव अभिनव लटवाल,कोषाध्यक्ष संक्रांत सिंह,सांस्कृतिक सचिव कृतिका मंदोलिया, छात्र महासंघ उपाध्यक्ष रक्षित बिष्ट, सचिव सचिन सिंह सामन्त, महासंघ कोषाध्यक्ष रोहित नेगी,वन ग्राम संघर्ष समिति के अध्यक्ष एस.लाल,पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष ललित कड़ाकोटी,पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष अमित रावत,पूर्व छात्र संघ सचिव धीरज रावत आदि मौजूद रहे। छात्र छात्राओं द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई।इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया जिसमें एकल नृत्य में प्रथम सपना , द्वितीय निकिता व तृतीय स्थान पर मोनिका रही। युग्म नृत्य में प्रथम दिया एवं वंशिका, द्वितीय निकिता व नेहा एवं तृतीय स्थान पर कविता व रजनी रहे।गायन में यशस्वी नैनवाल प्रथम,आकाश कुमार द्वितीय और तिलक रावत ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मॉडलिंग में मिस्टर कुमाऊं आयुष रावत व मिस कुमाऊं मोनिका नेगी बने।सभी विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया।

वन विभाग के अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित

रामनगर (संवाददाता)। कार्बेट टाइगर रिजर्व के सभागार रामनगर में वनाग्नि की रोकथाम में आधुनिक तकनीक के प्रभावी उपयोग के संबंध में वन विभाग के अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कार्बेट के डायरेक्टर डॉक्टर साकेत बडोला ने बताया कि बैठक का मुख्य उद्देश्य वन्यजीव संरक्षण एवं वन अग्नि प्रबंधन में प्रौद्योगिकी की सहायता से वनाग्नि की घटनाओं में कमी लाना और जल्द सूचना प्रणाली को सुदृढ़ बनाना है।बैठक में उन्होंने बताया कि वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर इंडिया द्वारा एक अत्याधुनिक सॉफ्टवेयर डैशबोर्ड विकसित किया जा रहा है, जिसके माध्यम से वनाग्नि की निगरानी, विश्लेषण एवं त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाया जाएगा। इस डैशबोर्ड के उपयोग से वनाग्नि की घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में सहायता मिलेगी। इससे वनाग्नि सम्बन्धित स-समय सटीक सूचनाएँ प्राप्त होगी।बैठक में वनाग्नि की रोकथाम में तकनीक के उपयोग के विभिन्न आयामों पर प्रकाश डाला गया। जबकि एक नवीन सैटेलाइट के निर्माण की प्रक्रिया प्रगति पर है, जो केवल भारत के ऊपर परिक्रमा करेगी। इस नवीन प्रणाली के लागू होने के प्रत्येक 01 घण्टे में सटीक वनाग्नि अलर्ट प्राप्त हो सकेगा, जिससे जल्द कार्यवाही संभव होगी और वनाग्नि नियंत्रण में सहायता प्राप्त होगी।बैठक के दौरान डायरेक्टर द्वारा

कैंचीधाम बाईपास का स्थलीय निरीक्षण

नैनीताल (संवाददाता)। /सांसद एवं पूर्व केंद्रीय राज्य मंत्री अजय भट्ट द्वारा शुक्रवार को भवाली बाईपास पर नव निर्मित पुल जिसकी लागत, लगभग 546.75 लाख रुपये है के साथ ही कैंचीधाम बाईपास का स्थलीय निरीक्षण किया गया, इस दौरान उन्होंने कैंचीधाम में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया गया, जिसमें 39 करोड़ की लगता से बनाई जा रही वाहन पार्किंग एव अन्य निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी अधिकारियों से ली। उन्होंने कहा कि मानसखंड मंदिर माला मिशन के अंतर्गत कैंचीधाम में बहुमंजिला पार्किंग आदि बन जाने से श्रद्धालुओं को पार्किंग सुविधा का लाभ मिलेगा, साथ ही भवाली-अल्मोड़ा हाईवे पर लगने वाले जाम से भी बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि भवाली रातिघाट बाईपास के निर्माण से भी यातायात सुगम और सुविधाजनक हो जाएगा है, जिससे कुमाऊं के पहाड़ी इलाकों को जाने वाले आम जनमानस को जाम से निजात मिलेगी। इस दौरान उन्होंने कैंची धाम में बन रही बहुमंजिला पार्किंग के कार्यो को पूरी गुणवत्ता एव मानकों के अनुसार कार्य करने के निर्देश कार्यदाई संस्था के अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि कार्यों में कोई भी कोताही बर्दास्त नहीं की जाएगी। इस दौरान श्री भट्ट स्थानीय लोगों से भी मिले। इसके उपरांत उन्होंने बाबा नीम करौरी के भी दर्शन किए। निरीक्षण के पूर्व चौयरमैन संजय वर्मा,भावना मेहरा, गोपाल रावत शिवांशु जोशी प्रकाश आर्या,हिमांशु बिष्ट आशु चंदोला, अखिलेश सेमवाल,नीरज बिष्ट, शुभम कुमार वैभव आनंद धीरज तिवाड़ी मदन मोहन सिंह कैड़ा, उपजिलाधिकारी मोनिका, ईई लोक निर्माण विभाग कृष्ण कुमार, रत्नेश सक्सेना आदि मौजूद रहे।

सुपरफास्ट विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया

हल्द्वानी (संवाददाता)। लालकुआं /रेल यात्रियों के लिए बड़ी राहत भरी खबर है। होली पर्व के दौरान यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे ने मुंबई सेंट्रल से काठगोदाम के बीच साप्ताहिक सुपरफास्ट विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। पश्चिम रेलवे द्वारा संचालित यह विशेष सेवा सीमित फेरों के लिए चलाई जाएगी, जिससे उत्तराखंड और मुंबई के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा मिलेगी।ट्रेन संख्या 09075/09076 मुंबई सेंट्रलख़ काठगोदामख़मुंबई सेंट्रल साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल के रूप में संचालित होगी। ट्रेन संख्या 09075 मुंबई सेंट्रल से प्रत्येक बुध वार सुबह 10:55 बजे रवाना होगी और रास्ते में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, रतलाम, नागदा, कोटा, गंगापुर सिटी, हिंडौन सिटी, भरतपुर, मथुरा, हाथरस सिटी, कासगंज, बदायूं, बरेली जंक्शन, बरेली सिटी, इज्जतनगर, बहेरी, किच्छा, लालकुआं और हल्द्वानी होते हुए गुरुवार दोपहर 2:30 बजे काठगोदाम पहुंचेगी।वापसी में ट्रेन संख्या 09076 गुरुवार शाम 5:30 बजे काठगोदाम से रवाना होकर हल्द्वानी, लालकुआं, बहेड़ी, इज्जतनगर, बरेली, बदायूं, कासगंज, हाथरस, मथुरा, भरतपुर, गंगापुर सिटी, कोटा, नागदा, रतलाम, वडोदरा, सूरत और वलसाड होते हुए रात 9:00 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी।रेलवे के अनुसार यह ट्रेन लगभग 1586 किलोमीटर की दूरी करीब 27 घंटे में तय करेगी। मुंबई सेंट्रल से इसका संचालन 25 फरवरी, तथा मार्च में 4, 11, 18 और 25 मार्च को किया जाएगा। वहीं काठगोदाम से वापसी सेवा 26 फरवरी, 5 मार्च, 12 मार्च, 19 मार्च और 26 मार्च को चलेगी।

संदिग्ध नेपाली नागरिक को दबोचते हुए उसके कब्जे से 118 प्रतिबंधित इंजेक्शन बरामद किए

बनबसा /भारत-नेपाल सीमा पर नशे के काले कारोबार को अंजाम देने की एक बड़ी साजिश को एसएसबी ने मुस्तैदी से ध्वस्त कर दिया। जवानों ने ध नुष पुल के पास बंगाली बस्ती चौकी क्षेत्र में रात की गश्त के दौरान एक संदिग्ध नेपाली नागरिक को दबोचते हुए उसके कब्जे से 118 प्रतिबंधि त इंजेक्शन बरामद किए। कार्रवाई इतनी सटीक और तेज रही कि आरोपी को संभलने तक का मौका नहीं मिला। एसएसबी टीम ने केनाल कॉलोनी की ओर से आ रहे संदिग्ध को रोककर सख्ती से तलाशी ली, जिसमें प्रतिबंधि त इंजेक्शनों की खेप मिलने पर जवानों ने तुरंत उसे हिरासत में ले लिया। पूछताछ में उसने अपनी पहचान घनश्याम (35) निवासी महेंद्रनगर, जिला कंचनपुर, नेपाल के रूप में बताई। शुरुआती पूछताछ में ही आरोपी ने कबूल किया कि वह इंजेक्शन भारत से खरीदकर नेपाल में ऊंचे दामों पर बेचने की फिराक में था। सीमा पर तैनात सुरक्षा बलों की सतर्कता ने एक बार फिर साबित कर दिया कि तस्करों की हर चाल पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

नित्या मेनन ने बढ़ाया एक और कदम, अब प्रोड्यूसर बन जीतेंगी लोगों का दिल

अपने अभिनय से लोगों के दिलों में राज करने वाली साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री नित्या मेनन अब नई शुरुआत करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने बताया कि वे अब बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू करने जा रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्होंने अपने नए प्रोडक्शन हाउस का ऐलान किया। अभिनेत्री नित्या मेनन ने लिखा, मेरे लिए फिल्में बनाना सिर्फ कहानियां सुनाना नहीं है, बल्कि दिल से दिल जुड़ने का तरीका है। जब मैं कुछ बनाती हूं तो यह न सिर्फ दर्शकों को बदलता है, बल्कि मुझे भी बदल देता है। अभिनेत्री ने बताया कि रचनात्मक प्रक्रिया में डूबकर मैं खुद में बदलाव महसूस करती हूं और जो इसे देखते हैं, उनके अंदर भी एक हल्का-सा परिवर्तन आता है। अभिनेत्री ने लिखा, यह बदलाव शुरू में शायद नजर न आए, लेकिन यह हमेशा के लिए असर छोड़ जाता है। फिल्म बनाना मेरे लिए व्यक्तित्व के उस सच्चे और संवेदनशील हिस्से को छूने जैसा है, जो सबसे असली होता है, जब मैं अभिनय करती थी। उसी समय मैंने सोच लिया था कि मैं प्रोड्यूसर बनूंगी और अब प्रोड्यूस करने पर भी यही सोच बनी रहेगी। आपके सामने पेश है- कीयूरी प्रोडक्शंस।वीडियो में बताया गया है कि केयुरी धरती की गुफाओं से निकली है, चट्टान से बनी है, रोशनी से प्यार करती है, और किसी खास रूप में नहीं बंधी है। यह नाम और उसका मतलब नित्या की रचनात्मक सोच को दर्शाता है, जहां वे ऐसी कहानियां बनाना चाहती हैं जो गहरी भावनाओं को छूएं और लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं।नित्या मेनन साउथ इंडियन सिनेमा में अपनी बहुमुखी प्रतिभा के लिए जानी जाती हैं। वे अभिनेत्री होने के साथ-साथ पार्श्व गायिका भी हैं, जो मुख्य रूप से मलयालम, तेलुगु, तमिल और कन्नड़ फिल्मों में अपने दमदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। उन्हें शथिरुचित्राम्बलम्ञ (2022) के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और चार फिल्मफेयर अवार्ड साउथ मिल चुके हैं। साल 1998 में एक बाल कलाकार के रूप में शुरुआत करने वाली नित्या मेनन बॉलीवुड की फिल्म मिशन मंगल में नजर आई थीं।

हॉरर थ्रिलर फिल्म ईशा की ओटीटी रिलीज डेट आई सामने, 20 फरवरी से प्राइम वीडियो पर होगी स्ट्रीम

हाल ही में रिलीज हुई फिल्म ईशाश्व इन दिनों काफी चर्चा में है. ये एक हॉरर थ्रिलर फिल्म है जिसमें लीड रोल में हेबा पटेल नजर आई हैं. रिलीज से पहले फिल्म का काफी प्रमोशन किया गया था जिस वजह से लोगों के बीच इसे लेकर अच्छा खासा बज बना हुआ था. हालांकि रिलीज के बाद फिल्म को क्रिटिक्स से मिले-जुले रिव्यू मिले है. किसी ने इसकी कहानी की तारीफ की तो किसी को इसका ट्रीटमेंट थोड़ा अलग लगा है.फिल्म 17 फरवरी से भारत के बाहर प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होना शुरू हो गई थी. इस खबर से भारतीय दर्शक थोड़े निराश हो गए थे क्योंकि उन्हें लग रहा था कि फिल्म एक साथ हर जगह रिलीज होगी. लेकिन अब उनके लिए अच्छी खबर आ गई है. ईशाश्व 20 फरवरी से भारत में भी प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाली है. इस तारीख का खुलासा खुद फिल्म की स्टार कास्ट ने अपने-अपने इंस्टाग्राम प्रोफाइल पर किया है.बताया जा रहा है कि फिल्म का ओटीटी विंडो पूरे आठ हफ्तों का है. जो तेलुगु सिनेमा में काफी कम देखने को मिलता है. आमतौर पर फिल्में जल्दी ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आ जाती हैं लेकिन ईशाश्व ने थोड़ा अलग रास्ता अपनाया है. फिलहाल फिल्म के डब्ड वर्जन को लेकर कोई जानकारी सामने नहीं आई है. यानी अभी ये साफ नहीं है कि इसे हिंदी या दूसरी भाषाओं में कब तक देखा जा सकेगा.फिल्म में अदित अरुण, अखिल राज, सिरी हनमंथ और पृथ्वीराज भी अहम किरदारों में नजर आए हैं. इस फिल्म को श्रीनिवास मन्ने ने डायरेक्ट किया है जबकि इसे प्रोड्यूस किया है केएल दामोदर प्रसाद ने. फिल्म का म्यूजिक आरआर ध्रुवन ने दिया है. वहीं तेलुगु स्टेट्स में फिल्म को वामसी नंदीपाटी और बन्नी वास ने डिस्ट्रीब्यूट किया है. ईशा की कहानी चार बचपन के दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है जो अंधविश्वास को गलत साबित करने की कोशिश करते हैं.

कल्याणी प्रियदर्शन ने लोका चौप्टर 2 पर कही ये बात, जानकर झूम उठेंगे फैंस

साउथ अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन की चर्चित फिल्म लोका चौप्टर 1- चंद्रा की अपार सफलता के बाद फैंस इसके सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। ऐसा इसलिए भी क्योंकि फिल्म के क्लाइमैक्स में दुलकर सलमान के कैमियो ने एक बड़ा सस्पेंस छोड़ा था जिसके बारे में जानने के लिए लोग उतावले हो रखे हैं। सलमान के प्रोडक्शन हाउस, वेफरर फिल्म्स के बैनर तले बनी इस फिल्म के सीक्वल पर अब खुद कल्याणी ने बड़ा अपडेट साझा किया है।रिपोर्ट के मुताबिक, कल्याणी ने लोका चौप्टर 2 पर एक अहम अपडेट साझा करते हुए पुष्टि की है कि उनका किरदार सीक्वल में वापसी करेगा। नक्षत्र, 2026 कार्यक्रम के दौरान उन्होंने कहा, लोका चौप्टर 2 की कहानी शुरू हो चुकी है। हम सितंबर, 2026 तक शूटिंग शुरू करने की योजना बना रहे हैं। और हां, मैं चौप्टर 2 में जरूर मौजूद रहूंगी। अभिनेत्री के बयान ने सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है।डोमिनिक अरुण द्वारा निर्देशित लोका चौप्टर 1-चंद्रा ओणम, 2025 की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। फिल्म की कहानी पौराणिक कथाओं से प्रेरित महिला सशक्तिकरण और सामाजिक बंधनों के खिलाफ एक लड़की नीली (कल्याणी) की आंतरिक लड़ाई पर आधारित है।

तुम्बाड 2 में होगा अंतरराष्ट्रीय धमाका, निर्माताओं ने इन धुरंधरों को किया शामिल

सोहम शाह की फिल्म तुम्बाड साल 2018 में रिलीज हुई थी जिसने सफलता का स्वाद बखूबी चखा। फिल्म के दृश्य, कहानी और कॉन्सेप्ट ने हर किसी का मन मोह लिया, जिसका नतीजा यह हुआ कि लोग इसके सीक्वल से ढेरों उम्मीदें लगाकर बैठे हुए हैं। निर्माताओं ने तुम्बाड 2 का ऐलान तो पहले ही कर दिया था। खबर है कि फिल्म का लेवल बढ़ाने के लिए एक खास तैयारी चल रही है, जिसे सुनकर लोगों का उत्साह बढ़ जाएगा।

तुम्बाड 2 के जरिए अपनी पौराणिक दुनिया और दृश्य पैमाने को बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने जाने-माने अंतरराष्ट्रीय कलाकारों को परियोजना में शामिल करने की योजना बनाई है।रिपोर्ट के मुताबिक, प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि लॉस एंजिल्स स्थित कॉन्सेप्ट आर्टिस्ट और क्रिएचर डिजाइनर साइमन ली और लोकप्रिय प्रोस्थेटिक डिजाइनर शॉन हैरिसन इसके साथ जुड़ गए हैं। निर्माताओं का यह फैसला सीक्वल के सिनेमाई लेवल को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।साइमन को कई हॉलीवुड फिल्मों में उनके काम के लिए जाना जाता है। उन्होंने गॉडजिला वर्सेस कोंग, गॉडजिला: किंग ऑफ द मॉन्स्टर्स और द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स: द रिंग्स ऑफ पावर जैसी फिल्मों में प्रभावशाली जीव-जंतुओं को डिजाइन किया है। उनके साथ हैरिसन भी द ममी, एवेंजस: एज ऑफ अल्ट्रॉन और हैरी पॉटर फ्रैंचाइजी में प्रोस्थेटिक डिजाइनर के तौर पर योगदान दे चुके हैं। कुल मिलाकर निर्माता इन धुरंधरों को शामिल करके सीक्वल का लेवल काफी बढ़ाने वाले हैं।

एल्विश यादव का नया गाना जस्टिन बीबर जारी, ईशा मालवीय संग जोड़ी लगी शानदार

मशहूर यूट्यबर और बिग बॉस ओटीटी 2 के विजेता एल्विश यादव का नया गाना जस्टिन बीबर जारी हो गया है जिसने आते ही यूट्यूब पर धमाल मचा दिया। संगीतकार अनु अमानत की आवाज में इस हरियाणवी गाने को गाया गया है, जबकि रैप खुद एल्विश ने किया है। गाने का निर्माण फ्लेम म्यूजिक और नितेश उजोली ने मिलकर किया है। जस्टिन बीबर में एल्विश के साथ ईशा मालवीय नजर आई हैं। दोनों की जोड़ी को फैंस ने जबरदस्त बताया है।एल्विश के नए गाने को फैंस खूब पसंद कर रहे हैं, तो वहीं कुछ लोगों को इसके बोल खटक रहे हैं। चर्चा है कि इसके बोल और दृश्य प्रिंस नरुला और मैक्सटर्न के साथ उनके पिछले विवादों की ओर इशारा करते हैं। करीब 2:21 मिनट पर, लोगों को यकीन है कि एल्विश ने मैक्सटर्न पर अप्रत्यक्ष रूप से कटाक्ष किया है। बता दें, एल्विश और मैक्सटर्न के बीच एक विवाद को लेकर हुआ थप्पड़ कांड खूब चर्चा में रहा था।

हिन्दी दैनिक जोखिम

मेलाधिकारी ने कुंभ मेला को लेकर हरिद्वार रेलवे स्टेशन का निरीक्षण व्यवस्थाओं का लिया जायजा

- हरिद्वार सहित अन्य नजदीकी रेलवे स्टेशनों पर आवश्यक अतिरिक्त सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं को जुटाने की जमीनी कवायद तेज

- भीड़ प्रबंधन हेतु हरिद्वार रेलवे स्टेशन पर बनाया जाएगा दस हजार यात्रियों की क्षमता का होल्डिंग एरिया

- मेलाधिकारी ने लालजीवाला क्षेत्र, भीमगोड़ा बैराज आदि क्षेत्रों में भी मेले को लेकर की जाने वाले व्यवस्थाओं की मौके पर जाकर की पड़ताल

हरिद्वार(संवाददाता)। आगामी वर्ष हरिद्वार में आयोजित होने वाले कुम्भ मेले के दृष्टिगत देश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुचारु आवागमन सुनिश्चित करने हेतु मेला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं। कुम्भ मेले के दौरान रेल मार्ग से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना को देखते हुए हरिद्वार सहित अन्य निकटवर्ती रेलवे स्टेशनों पर आवश्यक अतिरिक्त सुविधाएं एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की जमीनी कवायद तेज कर दी गई है। इसी क्रम में मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने शुक्रवार को मेला प्रशासन एवं रेलवे अधिकारियों के साथ हरिद्वार रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा कुम्भ मेले के दृष्टिगत रेलवे द्वारा प्रस्तावित व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप आगामी कुम्भ मेले को दिव्य एवं भव्य स्वरूप प्रदान करने हेतु प्रभावी कार्ययोजना तैयार कर सभी संबंधित विभागों एवं संगठनों को सौंपे गए कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि कुम्भ मेले से संबंधित स्थायी प्रकृति के अधिकांश कार्यों को राज्य सरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। हरिद्वार रेलवे स्टेशन के निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने कहा कि यह स्टेशन श्रद्धालुओं के आगमन का प्रमुख केंद्र है, अतः यहां की सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित, सुरक्षित एवं सुचारु होना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने श्रद्धालुओं के ठहराव स्थल, प्रवेश एवं निकास मार्ग, प्रतीक्षा क्षेत्र तथा मूलभूत सुविधाओं की व्यवस्था को लेकर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा प्रबंधन एवं यातायात संचालन की कार्ययोजना की निरंतर समीक्षा कर इसे त्रुटिहीन बनाया जाए तथा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दें। निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने निर्देश दिए कि कुम्भ अवधि में ट्रेनों की समयबद्धता सुनिश्चित की जाए तथा आवश्यकता अनुसार विशेष ट्रेनों का संचालन किया जाए। प्लेटफॉर्म एवं स्टेशन परिसर में भीड़ नियंत्रण, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छ पेयजल, शौचालयों की नियमित सफाई तथा प्रतीक्षालयों की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। उन्होंने आगमन एवं प्रस्थान मार्गों के सुव्यवस्थित प्रबंधन, स्टेशन पर पर्याप्त होल्डिंग एरिया की व्यवस्था, टिकट काउंटरों की संख्या में आवश्यकतानुसार वृद्धि, हेल्पडेस्क के प्रभावी संचालन तथा उद्घोषणा प्रणाली को सुदृढ़ बनाए रखने पर बल दिया। मेलाधिकारी ने दिव्यांगजन, वरिष्ठ नागरिकों एवं महिला यात्रियों की सुविधा हेतु विशेष सहायता काउंटर स्थापित करने के निर्देश दिए। सुरक्षा व्यवस्था के अंतर्गत जीआरपी एवं

आरपीएफ के साथ समन्वय स्थापित कर अतिरिक्त सुरक्षा बल की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों की सतत निगरानी तथा आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने पर भी चर्चा की गई। उन्होंने हरिद्वार के निकटवर्ती मोतीचूर, ज्वालापुर एवं रायवाला रेलवे स्टेशनों को भी सुदृढ़ किए जाने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इस संबंध में रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों से समन्वय स्थापित किया जाएगा।

इस अवसर पर हरिद्वार रेलवे स्टेशन अधीक्षक श्री दिनेश कुमार ने अवगत कराया कि कुम्भ मेले के दृष्टिगत स्टेशन के सुदृढ़ीकरण के लिए विभिन्न कार्य प्रारंभ कर दिए गए हैं।

संक्षिप्त समाचार...

मेरी योजना पोर्टल पर योजनाओं की जानकारी अब एक क्लिक पर

- "मेरी योजना" पुस्तिका की सभी योजनाएं ऑनलाइन, पारदर्शिता और सुगमता की ओर बड़ा कदम

- आमजन तक सुलभता से त्वरित और सरल जानकारी पहुंचाने की पहल

देहरादून(संवाददाता)। प्रदेश में संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी को आमजन तक सरल, सुलभ और त्वरित रूप में पहुंचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए माननीय मुख्यमंत्री द्वारा "मेरी योजना" पोर्टल का अनावरण किया गया है। "मेरी योजना" पोर्टल पर कार्यक्रम क्रियान्वयन विभाग द्वारा तैयार की गई "मेरी योजना" पुस्तकों में प्रकाशित समस्त योजनाओं को ऑनलाइन उपलब्ध कराया गया है। इस पोर्टल का उद्देश्य प्रदेश के नागरिकों को केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी कल्याणकारी योजनाओं की अद्यतन जानकारी एक ही मंच पर उपलब्ध कराना है, जिससे पात्र लाभार्थी योजनाओं का अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें। यह पोर्टल पारदर्शिता, सुशासन एवं डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इसके माध्यम से नागरिकों को योजनाओं की पात्रता, लाभ, आवेदन प्रक्रिया तथा संबंधित विभागीय जानकारी एक ही स्थान पर प्राप्त होगी। संबंधित सभी विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने स्तर पर "मेरी योजना" पोर्टल का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें तथा अधिक से अधिक नागरिकों को इससे जोड़ने का प्रयास करें। ताकि समन्वय एवं क्रियान्वयन प्रभावी ढंग से किया जा सके। राज्य सरकार का उद्देश्य है कि प्रत्येक पात्र नागरिक तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से पहुंचे और कोई भी लाभार्थी जानकारी के अभाव में वंचित न रहे।

अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप प्रशिक्षण को उन्नत बनाएं: निवेदिता कुकरेती

ऋषिकेश(संवाददाता)। आगामी मानसून सीजन और आपदा प्रबंधन की चुनौतियों को देखते हुए पुलिस महानिरीक्षक निवेदिता कुकरेती ने शुक्रवार को एसडीआरएफ वाहिनी मुख्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने आपदा राहत उपकरणों की कार्यक्षमता को परखा और जवानों को आधुनिक तकनीकों के प्रति दक्ष रहने के निर्देश दिए। शुक्रवार को जौलीग्रांट स्थित एसडीआरएफ वाहिनी मुख्यालय में निरीक्षण के दौरान आईजी निवेदिता कुकरेती ने सीएसएसआर (कोलैप्स स्ट्रक्चर सर्च एंड रेस्क्यू) टीम के प्रदर्शन का अवलोकन किया। टीम ने भूकंप या भवन ढहने जैसी स्थितियों में पीड़ितों को बचाने के लिए अत्याधुनिक कटिंग, ब्रेकिंग टूल्स और सर्च कैमरों का उपयोग कर अपनी तकनीकी दक्षता का प्रदर्शन किया।

राज्य सरकार फिल्म उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है : मुख्यमंत्री

-उत्तराखण्ड फिल्म नीति-2024 का दिखा असर, क्षेत्रीय सिनेमा को मिला प्रोत्साहन

-वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल 25 फिल्मों को जारी हुई अनुदान राशि

-14 गढ़वाली, कुमाऊंनी एवं जौनसारी फिल्मों को जारी हुई अनुदान राशि

-11 हिन्दी/अंग्रेजी फिल्मों को जारी हुई अनुदान राशि

देहरादून(संवाददाता)। उत्तराखंड राज्य सरकार फिल्म उद्योग के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। प्राकृतिक सौंदर्य, सुरक्षित वातावरण, सरल प्रक्रियाएँ और फिल्म-फ्रेंडली नीति के कारण ही उत्तराखण्ड आज देश और विदेश के फिल्म निर्माताओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनकर उभर रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की संकल्पना का ही असर है कि आज राज्य में क्षेत्रीय सिनेमा को नये आयाम मिल रहे है। मुख्यमंत्री धामी द्वारा दिये गये निर्देशों के क्रम में लागू की फिल्म नीति-2024 प्रभावी रही है। मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड प्राकृतिक सौंदर्य, विविध भौगोलिक परिस्थितियों, सांस्कृतिक विरासत और शांत वातावरण के कारण फिल्म निर्माण के लिए एक आदर्श राज्य के रूप में उभर रहा है। राज्य सरकार फिल्म उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में फिल्म नीति को प्रभावी रूप से लागू किया गया है, जिसके अंतर्गत फिल्म निर्माताओं को सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से त्वरित अनुमति प्रदान की जा रही है। शूटिंग की अनुमति प्रक्रिया को सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाया गया है, जिससे फिल्म निर्माताओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि फिल्म नीति का उद्देश्य केवल फिल्मों की शूटिंग तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे पर्यटन, स्थानीय अर्थव्यवस्था, रोजगार सृजन और राज्य की सांस्कृतिक पहचान को भी मजबूती मिल रही है। उत्तराखंड में वेब सीरीज, डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्म और फीचर फिल्मों के निर्माण को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है।उत्तराखण्ड फिल्म विकास परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बंशीधर तिवारी ने बताया कि परिषद द्वारा वर्ष में 02 बार (माह जुलाई एवं माह जनवरी) फिल्मों को अनुदान दिये जाने हेतु समिति की बैठक आयोजित की जाती है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक संजीव पंत द्वारा जेल रोड, हल्द्वानी, नैनीताल उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं चिराग पब्लिकेशन जेल रोड, हल्द्वानी नैनीताल से मुद्रित। सम्पादक - राजेश पंत
फोन नं0- 05946-254443 प्रसार प्रबंधकः वसीम अहमद , आर एन आई नं.: UTTHIN/2010/36647 email: jokhimhaldwani2013@gmail.com
ताज़ातरीन खबरों व सही जानकारी के साथ समाचार को विस्तार से पढ़नें के लिए लागआन करें हमारा newsportal:. jokhimnews.com